[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4808 **L**

Unique Paper Code : 6967000007

Name of the Paper : Ethics and Values in Ancient Indian Traditions

Name of the Course : **Value Addition Course (VAC)**

Semester : II / IV

Duration : 1 Hour Maximum Marks : 30

समय : 1 घण्टा पूर्णांक : 30

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Question number **one** is compulsory.
3. Answer any **two** questions from question nos. **2** to **4**.
4. **All** questions carry equal marks.
5. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है ।
3. प्रश्न संख्या **2** से **4** से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दें ।
4. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।
5. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Write short notes on **any two** : (5+5)

किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :

(a) The concept of Purushartha Chatushtaya

पुरुषार्थ चतुष्टय की अवधारणा

P.T.O.

(b) The significance of 'Aryavrata' in the cultural identity of ancient India

प्राचीन भारत की सांस्कृतिक पहचान में 'आर्यावृत' का महत्व

(c) Concept of Danda

दंड की अवधारणा

2. Discuss the moral conflicts faced by characters in the Ramayana and Mahabharata. How do these epics demonstrate the blending of different cultures and the importance of fulfilling one's duty? (10)

रामायण और महाभारत के पात्रों द्वारा सामना किए गए नैतिक संघर्षों पर चर्चा करें। ये महाकाव्य विभिन्न संस्कृतियों के समन्वय और अपने कर्तव्य के पालन के महत्व को कैसे दर्शाते हैं?

3. Explain the concept of 'Rta' in Vedic traditions and its role in maintaining cosmic and moral order. (10)

वैदिक परंपराओं में 'ऋत' की अवधारणा और ब्रह्मांडीय तथा नैतिक व्यवस्था बनाए रखने में इसकी भूमिका की व्याख्या करें।

4. Discuss the role of Sanskar (rites of passage) in shaping the individual and constructing the socio-cultural fabric of the Rashtra (nation) in ancient times. (10)

प्राचीन काल में व्यक्ति को आकार देने और 'राष्ट्र' के सामाजिक-सांस्कृतिक ताने-बाने के निर्माण में 'संस्कार' की भूमिका पर चर्चा करें।